सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास के दस वर्ष पूर्ण
‘बोल के लब आज़ाद हैं तेरे’ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

वर्ष, 20 नवंबर 2017 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में स्थापित सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास की स्थापना के दस वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में छात्रावास की
उदघाटन कुलपति प्रो. गिरीशर सिंह ने किया। अतिथियों ने सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभिवादन किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ आलोचक प्रो. गोपेश्वर सिंह उपस्थित थे। इस अवसर पर छात्रावास की अधीक्षक डॉ. अंजली हाईस्कूल, कुलानुशासक प्रो. गोपाल ठाकुर, उप-

कुलानुशासक डॉ. चित्रा माली, प्रो. कृष्णकर चौधरी, अंजली गुप्ता छात्रावास की अधीक्षक शिल्पी कुमारी, सहायक प्रोफेसर डॉ. सुप्रिया पाठक, डॉ. विधु खरे दास, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिर्जा, राजेश आरोड़ा, गिरीश पाण्डेय आदि प्रमुखता से उपस्थित थे।
इस अवसर पर अहल्या की जीवनी पर ‘महामोह’ लघु नाटक का मंचन किया। नाटक का निर्देशन आरती कुमारी ने किया तथा नाटक में अंकिता चौधरी, श्वेता सचान, रशिम गोंडाने ने भूमिकाएं निभायी। ज्योति राय ने कविता प्रस्तुत की। छात्रा आरिफा खातूल, रागिनी, विजया सिंह और हेमा ने गायन प्रस्तुत किया। प्रीति राणा ने बासुरी वादन कर श्रीताओं को मुख्त कर दिया।

दौसी शर्मा ने स्टैंडअप कॉमेडी पेश कर सभी को लोटपोट कर दिया। छात्राओं ने विभिन्न राज्यों के मशहूर नृत्यों को प्रस्तुत करते हुए महाराष्ट्र की लावनी, असम का असमी लोकनृत्य तथा उड़िया का
उड़िसी नृत्य की झलकियां प्रस्तुत की। लावली और मराठी नृत्य में पायल, खुशबू, साह, अमरीन, सिमरन, अपेशा, मनीषा, कोमल और आंचल ने नृत्यों से समा बांधा। धरित्री और पी. अंजली ने उड़िसा का लोकनृत्य प्रस्तुत किया। एकल नृत्य में नन्ही आया ने सभी का मन जीत लिया। एकल नृत्य में सुरभि, आरती शर्मा, नेहा झा, दीप्ति ओगरे, ब्यूटी कुमारी, सुधा वर्मा और फायज़ा का नृत्य भी अपनी छाप छोड़ गया। कार्यक्रम के आयोजन में वंदना चौबे, आरिफा, सन्नेा राय, मनीषा, दीपाली, अनामिका गुप्ता, नेहा, वैताली, खुशबू, शेख, विजयालक्ष्मी सिंह, रुपा करकटा, ललिता, संतोष भिश्ना, उमा यादव, कमी सीता देवी, शमीम, विनिता, विवादाई शेलके और शांताबाई तेलगोटे ने परिक्रम किये।